ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE
PERIODIC TEST – 3, 2017-18
SUBJECT : HINDI

STD : IX MM : 50

खंड क : अपठित बोध

प्र.१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ०६

सत्यनगर के राजा सत्यप्रताप सिंह को एक बार पता चला कि सौम्यदेव नामक एक ऋषि अनेक वर्षों से लोहे का एक डंडा जमीन में गाडकर तपस्या कर रहे है और उनके तप के प्रभाव से डंडे में कुछ अंकुर फूटकर फूल–पत्ते निकल रहें हैं। सत्यप्रताप ने सोचा कि यदि उनके तप में इतना बल है कि लोहे के डंडे में अंकुर फूटकर फूल–पत्ते निकल सकते है, तो फिर मै भी क्यों न तप करके अपना जीवन सार्थक बनाऊँ। यह सोचकर वह भी ऋषि के समीप लोहे का डंडा गाडकर तपस्या करने लगा। संयोगवश उसी रात जोर का तुफान आया। राजा और ऋषि दोनों ही मौसम की परवाह न कर तपस्या में मगन रहे। कुछ देर बाद एक व्यक्ति बुरी तरह भीगा हुआ ठंड से काँपता हुआ आया। उसने ऋषि से कहीं ठहरने की जगह के बारे में पूछा पर ऋषि ने आँख खोलकर भी नहीं देखा। राजा ने उसकी इतनी बुरी हालत देखकर उसे गोद में उठाया उसे नजदीक ही एक कुटिया में लिटाया और उसके समीप आग जलाकर गर्माहट पैदा की। गर्माहट मिलने से व्यक्ति होश में आ गया। इसके बाद राजा ने उसे कुछ जडी–बुटी पीसकर पिलाई। कुछ ही देर बाद वह व्यक्ति बिलकुल ठीक हो गया। सुबह होने पर राजा जब उस व्यक्ति के साथ कुटिया के बाहर आया तो यह देखकर हैरान रह गया कि जो लोहे का डंडा उसने गाडा था वह ताजे फुल–पत्तों से भरकर झुक गया था। इसके बाद राजा ने ऋषि के डंडे की ओर देख, ऋषि के डंडे के थोडे–बहुत निकले फूल–पत्ते भी मुरझा गए थे। राजा समझ गया कि मानव–सेवा से बडी तपस्या कोई और नही है। वह अपने राज्य वापस आकर प्रजा की समुचित देखभाल करने लगा।

क) राजा ने क्या निर्णय लिया और क्यों? ०२

ख) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा प्राप्त होती है? ०२

ग) ऋषि के तप के प्रभाव से..... (वाक्य पूरा करो) ०१

घ) "गर्माहट" शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए । ०१

प्र.२ निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ०५

भयानक सूखा है
पक्षी छोडकर चले एक है, पेडों को
बिलों को छोडकर चले एक है चींटे–चींटियाँ
देहरी और चौखट
पता नहीं कहाँ किधर चले एक है
घरों को छोडकर
भयानक सूखा है
मवेशी खडे है
एक दूसरे का मुँह ताकते हुए

कहते है पिता
ऐसा अकाल कभी नहीं देखा
ऐसा अकाल कि बस्ती में
दूब तक झुलस जाए
सुना नहीं कभी।
"दूब मगर मरती नहीं"
कहते है वे
और हो जाते है चुप।
निकलता हूँ मै
खोजता हूँ परती–पराठ
झाँकता हूँ कुओं में
छान डालता हूँ गली चौराहे
मिलती नहीं दूब
मुझे मिलते है मुँह बाए घडे
बाल्टियाँ लोटे परात
झाँकता हूँ घडों में
लोगों की आँखों की कटोरियों में
झाँकता हूँ मै
मिलती नहीं
मिलती नहीं दूब।

क) सूख के कारण मवेशियों की क्या दशा हुई है? ०२

ख) अकाल के कारण किन्होंने अपने–अपने घर छोड दिए है? ०२

ग) उपर्युक्त कविता किस विषय पर लिखी गई है? ०१

(क) बाढ (ख) सूखा (ग) दूब (घ) पिता

खंड ख : व्यवहारिक व्याकरण

प्र.३ क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए। ०२

१ यदि + अपि २ पौ + अन

ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि–विच्छेद कीजिए ०२

१ महेश्वर २ वागीश

प्र.४ क) अत्युत्तम शब्द में से मूल शब्द व उपसर्ग को अलग कीजिए। ०१

ख) सम्मानित शब्द में से मूल शब्द व प्रत्यय को अलग कीजिए। ०१

प्र.५ निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए। ०३

१. क्या शेखर के दादा जी नहीं रहे

२. गांधी जी ने कहा था करो या मरो

खंड ग : पठित बोध

प्र.६ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (२ + २ + १ = ०५)

क) चतुर और बेइमान लोग धर्म के नाम पर क्या क्या करते है?

ख) पाश्चात्य देशों में धनी और निर्धन लोगों में क्या अंतर है?

ग) धर्म के स्पष्ट चिहन क्या है?

प्र.७ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (२ + २ + १ = ०५)

हमारा अन्न कीचड में से ही पैदा होता है इसका जाग्रत भान यदि हर एक मनुष्य को होता तो वह कभी कीचड का तिरस्कार न करता। एक अजीब बात तो देखिए। पंक शब्द घृणास्पद लगता है, जबकि पंकज शब्द सुनते ही कवि लोग डोलने और गाने लगते है। मल बिलकुल मलिन माना जाता है किंतु कमल शब्द सुनते ही चित्त में प्रसन्नता और आह्लादकत्व फूट पडते है। कवियों की ऐसी युक्तिशून्य वृत्ति उनके सामने हम रखे तो व कहेंगे कि "आप वासुदेव की पूजा करते हैं। इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते, हीरे का भारी मूल्य देते है किंतु कोयले या पत्थर का नही देते और मोती को कंठ में बाँधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले में नही बाँधते।"

क) 'पंक' और 'पंकज' शब्द में क्या अंतर है?

ख) कवियों की धारणा को युक्तिशून्य क्यों कहा है?

ग) मनुष्य कीचड़ का तिरस्कार कब न करता?

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए। (२ + २ + १ = ०५)

क) प्रेमी जब गीत गाता है, तब प्रेमिका की क्या इच्छा होती है?

ख) सुखिया के पिता पर क्या आरोप था, जिसके कारण उसे कारावास का दंड भोगना पड़ा?

ग) जेल से छुटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?

प्र.९ त्रिपुरा राज्य "बहुधार्मिक समाज" का उदाहरण कैसे बना? इस राज्य में सुव्यवस्था व शांति बनाए रखने के लिए किस प्रकार के प्रयासों की आवश्यकता है? ०५

खंड घ : लेखन

प्र.१० आपके भाई ने दसवीं की बोर्ड परीक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आप छात्रावास में रहते है, उसे पत्र लिखकर बधाई दीजिए। ०५

प्र.११ अपने किसी रिश्तेदार के लापता होने की बात को लेकर किसी समाचार पत्र के लिए २५–५० शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। ०५